Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan



कक्षा - 11

व्यवसाय अध्ययन

व्यवसाय के आधार - 1

अध्याय-5
व्यवसाय की उभरती पद्धतियाँ

भाग - 7

ई-लेनदेनों की सुरक्षा एवं बचाव - I

रूचिका सैनी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

विवरण (Overview)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



1. ई-व्यवसाय
2. ई-व्यवसाय का कार्यक्षेत्र
3. ई-व्यवसाय के लाभ
4. ई-व्यवसाय की सीमाएँ
5. पारंपरिक व्यवसाय एवं ई-व्यवसाय में अंतर
6. ई-व्यवसाय प्रक्रिया
7. ई-लेनदेनों की सुरक्षा एवं बचाव

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



ई-लेन-देनों की सुरक्षा एवं बचाव

ई-व्यवसाय जोखिम :

- ऑनलाइन लेन-देन, मौखिक विनिमय लेन-देनों से भिन्न, अनेक जोखिमों की ओर उन्मुख होते हैं।
- जोखिम से आशय किसी ऐसी अनहोनी की संभाव्यता से है जोकि एक लेन-देन में शामिल पक्षों के लिए वित्तीय प्रतिष्ठात्मक अथवा मानसिक हानि का परिणाम बने।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- ऑनलाइन लेन-देनों में इन जोखिमों की उच्च संभाव्यता के कारण ही ई-व्यवसाय में सुरक्षा एवं बचाव के मुद्दे बहुत अधिक महत्वपूर्ण बन गए हैं।
- इन मुद्दों का विवेचन निम्न तीन शीर्षकों के अंतर्गत किया जा सकता है-



लेन-देन जोखिम	डाटा संग्रहण और प्रसारण जोखिम	बौद्धिक संपदा व निजता जोखिम

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



I लेन-देन जोखिम

ऑनलाइन लेन-देन निम्न प्रकार के जोखिमों के लिए सुमेद्य होते हैं-

- विक्रेता इस बात के लिए मना कर सकता है कि ग्राहक ने उसे कभी आदेश प्रेषित किया था और ग्राहक यह मना कर सकता है कि उसने कभी विक्रेता को आदेश प्रेषित किया था।
- इसे 'आदेश लेन/देन संबंधी चूक' के रूप में उल्लेखित किया जा सकता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- वांछित सुपुर्दगी न हो पाना, वस्तुओं की सुपुर्दगी गलत पते पर हो गई, अथवा आदेश से अलग/भिन्न वस्तुओं की सुपुर्दगी होना। इसे 'सुपुर्दगी की चूक' कहा जा सकता है।
- विक्रेता पूर्ति की गई वस्तुओं के लिए भुगतान प्राप्त नहीं कर पाया हो जबकि ग्राहक दावा करे कि उसने भुगतान कर दिया है। इसे 'भुगतान संबंधी चूक' कहा जा सकता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- इस प्रकार क्रेता एवं विक्रेता के लिए आदेश लेन-देन में, सुपुर्दगी में, साथ ही भुगतान में चूक के कारण जोखिम उत्पन्न हो सकते हैं।
- इस तरह की स्थिति से, पंजीकरण के समय पहचान और स्थिति/पते की जाँच द्वारा और आदेश स्वीकृति एवं भुगतान वसूली के लिए एक प्राधिकार प्राप्त कर बचा जा सकता है।
- उदाहरणार्थ - यह सुनिश्चित करने के लिए कि ग्राहक ने पंजीकरण फार्म में अपना सही विवरण प्रविष्ट कर दिया है, विक्रेता इसे कुकीज़ से सत्यापित करवा सकता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

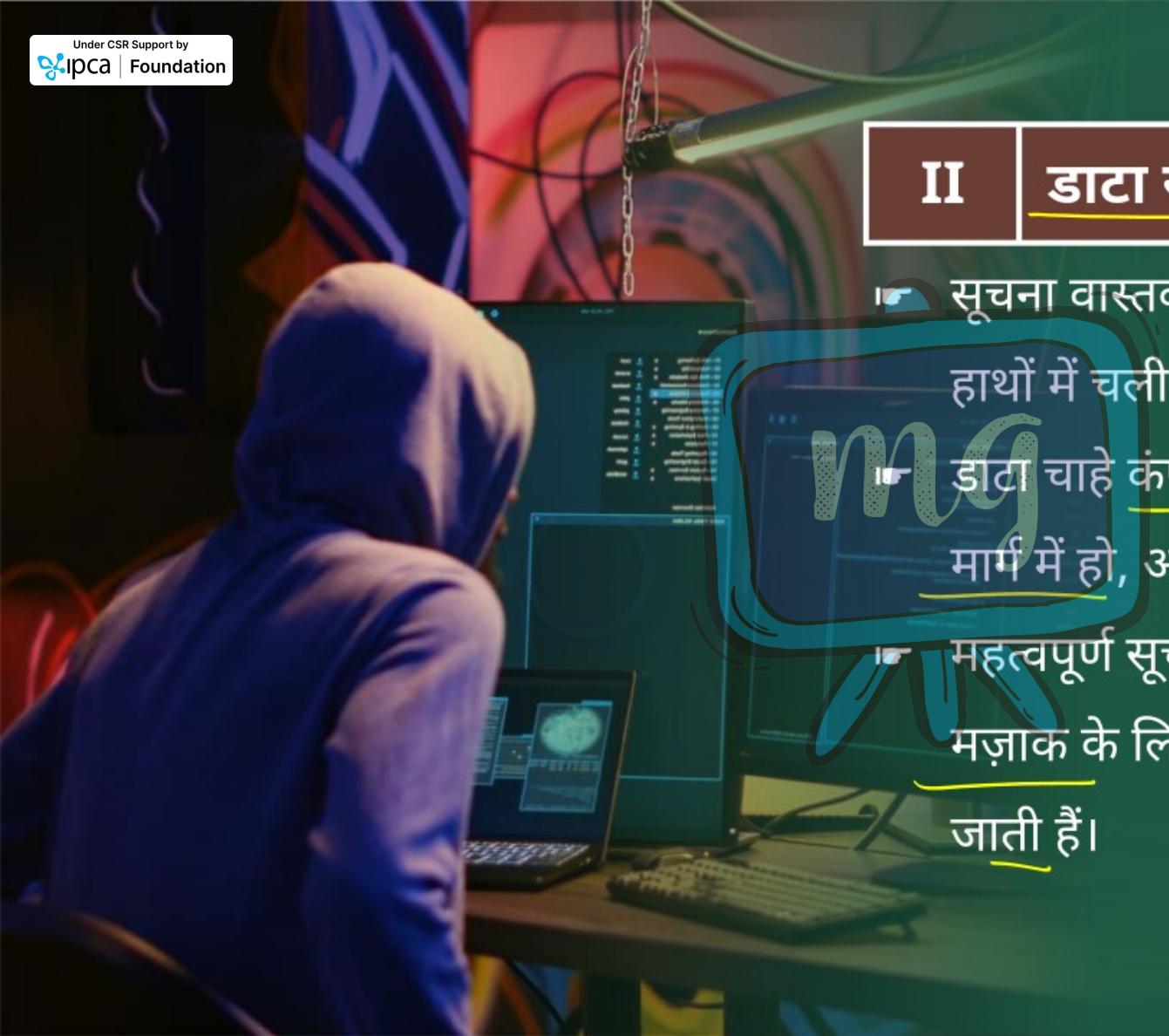
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- कुकीज़ टेलीफ़ोन कॉल पहचानकर्त्ता के समान होते हैं जोकि टेलीविक्रेता को ग्राहक का नाम, पता और उसके पिछले क्रम भुगतान का विवरण उपलब्ध करवाते है।
- 'ई-वे' जैसी वेबसाइट, विक्रेता की श्रेणी (रेटिंग) तक उपलब्ध करवाती हैं।
- ऐसी वेबसाइट ग्राहकों को सुपुर्दगी में चूक के प्रति सुरक्षा प्रदान कराती हैं और कुछ हद तक किए गए भुगतान की वापसी भी करवाती हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



II डाटा संग्रहण एवं प्रसारण जोखिम

- सूचना वास्तव में शक्ति है, जब यह शक्ति गलत हाथों में चली जाती है।
- डाटा चाहे कंप्यूटर प्रणाली में संग्रहीत हो या फिर मार्ग में हो, अनेक जोखिमों से आरक्षित होते हैं।
- महत्वपूर्ण सूचनाएँ कुछ स्वार्थी उद्देश्यों अथवा मज़ाक के लिए चोरी अथवा संशोधित कर ली जाती हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



☛ 'वायरस' आदेश की एक श्रृंखला है, जोकि अपनी पुनरावृत्ति कंप्यूटर प्रणलियों पर करता रहता है।

☛ कंप्यूटर वायरस का प्रभाव क्षेत्र स्क्रीन प्रदर्शन में मामूली छेड़छाड़ (स्तर-1 वायरस) से लेकर, कार्य प्रणाली में बाधा (स्तर-2 वायरस) तक, लक्षित डाटा फाइलों को क्षति (स्तर-3 वायरस) तक, समूची प्रणाली को क्षति (स्तर-4 वायरस) तक हो सकता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- एंटी वायरस प्रोग्रामों की स्थापना एवं समय-समय पर उनके नवीनीकरण और फाइलों एवं डिस्को की एंटी वायरस द्वारा जाँच आपकी डाटा फाइलों, फोल्डरों और कंप्यूटर प्रणाली को वायरस के हमले से बचाती है।
- प्रसारण के दौरान डाटा अवरुद्ध हो सकते हैं। इसके लिए क्रिप्टोग्राफी (कूटलेखन विधि) का प्रयोग किया जा सकता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- क्रिप्टोग्राफी से आशय सूचना बचाव की उस कला से है, जिसमें उसे एक अपठनीय प्रारूप जिसे साइबर उद्धरण (साइबर टेक्स्ट) कहते हैं, में बदल दिया जाता है।
- केवल वही व्यक्ति जिसके पास गुप्त कुंजी (पासवर्ड) होती है, संदेश को स्पष्ट कर सामान्य उद्धरण (प्लेन टेक्स्ट) में बदल सकता है।
- व्यक्ति के साथ कूट शब्दों (कोड वर्ड) के प्रयोग के समान ही है जिससे कि कोई आपके वार्तालाप को समझ न पाए।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



III बौद्धिक संपदा एवं निजता पर खतरे के जोखिम

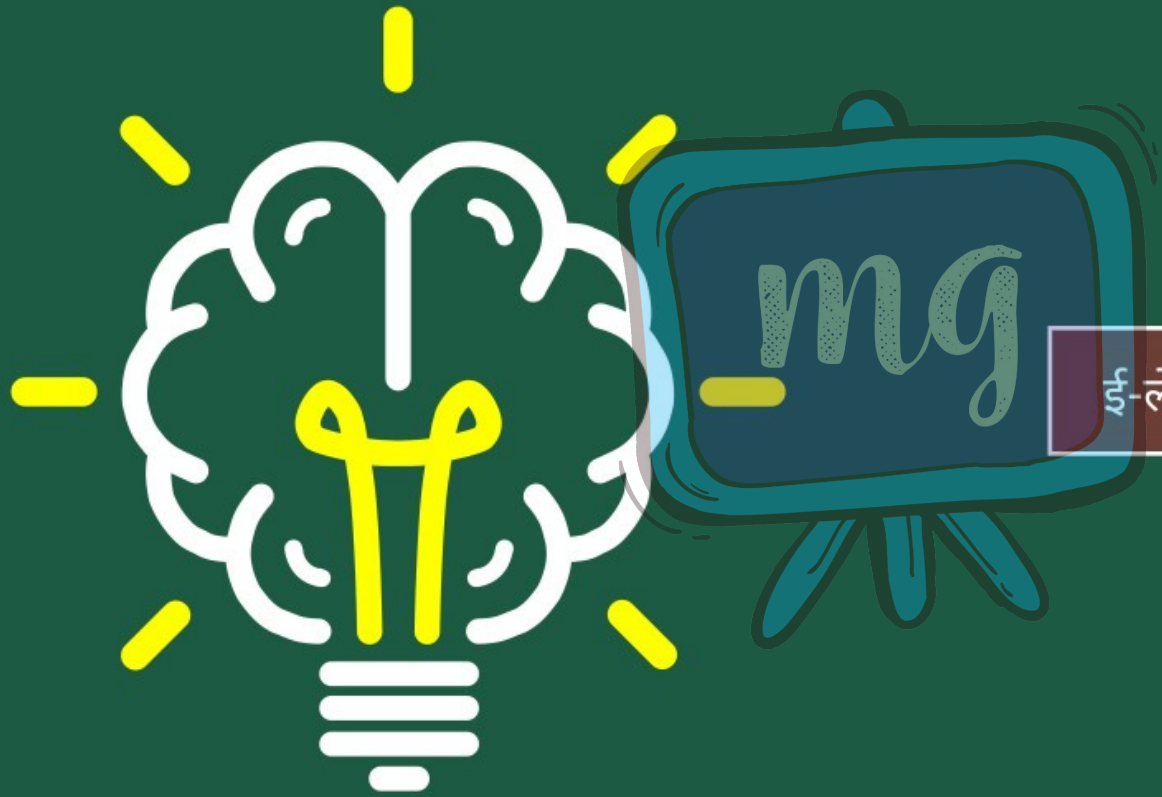
- इंटरनेट एक खुला स्थान है। सूचना जब एक बार इंटरनेट पर उपलब्ध हो जाती है तो वह निजी क्षेत्र के दायरे से बाहर निकल आती है और तब इसकी नकल होने से रोकना मुश्किल हो जाता है।
- ऑनलाइन लेन-देनों के दौरान प्रस्तुत डाटा अन्य लोगों को भी पहुँचाए जा सकते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

☛ जोकि आपके ई-डाक (ई-मेल) बॉक्स में बेकार प्रचार एवं संवर्धन साहित्य भरना शुरू कर सकते हैं।





ई-लेनदेनों की सुरक्षा एवं बचाव

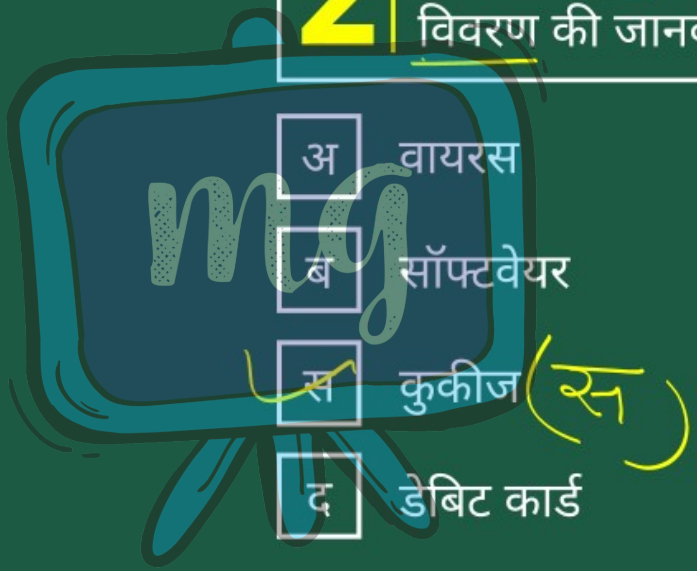


1 ऑनलाईन लेन-देनों में जोखिम होते है–

- अ आदेश लेन/देन संबंधी चूक
- ब सुपुर्दगी की चूक
- स भुगतान संबंधी चूक
- द उपर्युक्त सभी (द)



2 ग्राहक का नाम, पता, पूर्व क्रम भुगतान के विवरण की जानकारी प्राप्त कराते है।



- अ वायरस
- ब सॉफ्टवेयर
- स कुकीज (स)
- द डेबिट कार्ड



3 सूचना बचाव की कला जिसमें सूचनाओं को अपठनीय प्रारूप में बदल देते है।

- अ वायरस
- ब इंटरनेट
- स क्रिप्टोग्राफी (य)
- द ई-मेल